मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT-043

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
एम.टी.टी.-043 : अनुवाद सिद्धान्त और सिंधी-हिन्दी-सिंधी अनुवाद परंपरा

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. अनुवाद की चुनौतियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 20

2. अनुवाद और पुनर्लेखन पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 20

3. प्राचीन भारतीय अनुवाद सिद्धांत चिंतन परंपरा में मुगलकालीन अनुवाद चिंतकों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

4. पश्चिम की आरंभिक अनुवाद परंपरा और दिशा-निर्देशों का वर्णन कीजिए। 20

5. प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय अनुवाद परंपरा में हिंदुस्तानी रचनाओं के अरबी अनुवाद की परंपरा का वर्णन कीजिए। 20

6. ज्ञानफलक के विस्तार में अनुवाद की भूमिका और आधुनिक काल में अनुवाद के फलक विस्तार पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 20

7. स्वातंत्र्योत्तर सिंधी साहित्य अनुवाद परंपरा में सिंधी से भारतीय भाषाओं में अनुवाद कार्य का उल्लेख कीजिए। 20

8. सिंधी साहित्य के प्रारंभिक काल में अनुवाद परंपरा पर प्रकाश डालिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 10×2=20

   (क) आधुनिकतावाद और उत्तर-आधुनिकतावाद

   (ख) सिंधी अनुवाद परंपरा के विकास में अनुवादकों और पत्रिकाओं की भूमिका

   (ग) 'पंचतंत्र' का अरबी अनुवाद

   (घ) देशज अनुवाद चिंतन